पाठ-बोध

मौखिक

क. 'हार्ड टास्क मास्टर' अर्थात काम लेने में कठोरता बरतनेवाला। लेखक के शिक्षक बालकों को कठोर अनुशासन में रखकर, पढ़ाई-लिखाई करवाते थे इसलिए उन्हें यह नाम दिया गया।

ख. धनी बालक में सच्ची मित्रता निभाने का विशेष गुण था। इसी गुण के कारण वह अपने पिता से निर्धन मित्र की सहायता के लिए अड़ गया।

ग. मित्र की निर्धनता देखकर धनी मित्र ने अपने पिता से कहा कि यदि दरिद्रता के कारण मेरा मित्र पढ़-लिख नहीं सकता तो मैं भी नहीं पढ़ूँगा। उसकी तरह मैं भी अनपढ़ और दरिद्र रहूँगा।

घ. निर्धन मित्र अपने धनी मित्र से आर्थिक सहायता पाकर निरंतर प्रगति करता गया। वह नाना प्रकार के विद्याओं के प्रकांड पंडित के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। उसकी विद्वत्ता से प्रभावित होकर उस राज्य के राजा ने उसे अपना मंत्री बना लिया।

ङ. व्यापारी पुत्र द्वारा मंत्री पुत्र को दी गई शिक्षा का यह परिणाम हुआ कि वह ज्ञान और विद्या का लखपति हो गया।

लिखित

क. एक रात डाकुओं ने व्यापारी मित्र की सारी संपत्ति लूट ली तथा उसके घर में आग लगा दी। इसी शोक में उसके पिता की मृत्यु हो गई। वह दाने-दाने का मुहताज हो गया।

ख. मंत्री ने अपने पुराने धनी मित्र को एक दिन फटेहाल भिक्षुक के रूप में राजधानी के मार्ग पर देखा। उसे अपने घर लाकर खिलाया-पिलाया। कुछ दिन पश्चात राजा से धन-प्राप्ति का उपाय बताकर धन उपलब्ध कराया।

ग. व्यापारी मित्र ने मंत्री के पुत्र को 'मीत के हिस्से' की बात समझाई। प्रत्येक कार्य को शक्ति, भक्ति और बुद्धि से करने की सलाह दी। सीखे गए ज्ञान, विद्या तथा गुण को अपनाने और उसमें से एक हिस्सा मित्र के लिए रखने को कहा।

घ. लेखक के सहपाठियों का इस कहानी पर यह प्रभाव पड़ता कि सबमें पढ़ाई के प्रति नया उत्साह भर जाता।

ङ. इस कहानी का मुख्य संदेश है— सच्चा मित्र वही है जो मुसीबत में फँसे मित्र की तन-मन-धन से सहायता करे। आवश्यकता पड़ने पर मित्र की हर संभव सहायता करनी चाहिए।

आशय स्पष्टीकरण—

मंत्री अपने बेटे के साथ जब अपने व्यापारी मित्र के पास पहुँचा तो उसकी संपन्नता देखकर आश्चर्यचकित हो गया। उसका व्यापारी मित्र लखपति बन चुका था।

कहानी के आधार पर हाँ/नहीं लिखिए—

क. दो बालकों में गहरी मित्रता थी। ...हाँ...

ख. बेचारे व्यापारी के भाग्य पर वज्रपात हो गया। ...हाँ...

ग. मंत्री ने मीत के परिवार को भी बुलावा भेजा। ...हाँ...

घ. मंत्री व्यापार में लग गया। ...नहीं...

ङ. मंत्री के बेटे को राजा ने समझाया। ...नहीं...

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए—

क. गाँव के दोनों बालक जिनमें गहरी मित्रता थी, एक-दूसरे को क्या कहकर पुकारते थे? ☑ मीत

ख. मंत्री को उसका व्यापारी मित्र किस रूप में राजधानी के मार्ग पर दिखाई दिया? ☑ भिक्षुक के रूप में

ग. पूर्णिमा के दिन व्यापारी मित्र को राजा से दान में क्या मिला? ☑ सौ मुद्राएँ

घ. 'यह मेरा है, यह मेरे मीत का।' यह मन ही मन कौन कहता था? ☑ मंत्री का पुत्र